अनुक्रमांकः .....
निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् .....

Paper Code
MSS-201

पतञ्जलिविश्वविद्यालयः

परीक्षा – मईमासः – 2019

एम.ए. संस्कृतम्, (सत्रम् : द्वितीयम)

प्रथमपत्रम्–वेदाङ्ग एवं उपनिषद्

समयः – होरात्रयम् **अधिकतमाङ्काः – 70**

निर्देशः अस्य प्रश्नपत्रस्य सप्तत्यङ्काः निर्धारिताः सन्ति। इदं प्रश्नपत्रम् 'क' 'ख' 'ग' इत्याख्येषु त्रिषु खण्डेषु विभक्तं वर्तते। प्रत्येकखण्डे प्रदत्तानां विस्तृतनिर्देशाणामनुसारेणैव प्रश्नाः समाधेयाः।

खण्डः क
(दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः)

निर्देशः 'क' खण्डे पञ्चदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रदत्ताः सन्ति। प्रत्येकप्रश्नाय पञ्चदशाङ्काः निर्धारिताः वर्तन्ते। एतत्पञ्चप्रश्नेषु त्रयः प्रश्नाः एव समाधेयाः। **(3×15=45)**

1. कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की शिक्षा को अपनी भाषा में लिखिये।
2. 'केनोषितं पतति प्रेषितं मनः ..... मन्त्र का अभिप्राय विशद रूप से स्पष्ट कीजिये।
3. माण्डूक्योपनिषद् के वर्ण्य विषय की विस्तृत विवेचना कीजिये।
4. यास्क प्रणीत निरुक्त के अध्ययन के प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।
5. 'अनर्थकाः हि मन्त्राः' कौत्स के इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

खण्डः ख
(लघूत्तरीयप्रश्नाः)

निर्देशः 'ख' खण्डे षड्लघूत्तरीयप्रश्नाः प्रदत्ताः सन्ति। प्रत्येकप्रश्नाय पञ्चाङ्काः निर्धारिताः विद्यन्ते। एतेषु केवल चत्वारः एव प्रश्नाः समाधेयाः। **(4×5=20)**

1. कठोपनिषद् के अनुसार 'न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः' की व्याख्या कीजिए।
2. 'इह चेदवेदीदथ सत्यमस्ति ..... ' की व्याख्या कीजिए।
3. पठित उपनिषदों से प्रश्नपत्र में दिये गये मन्त्रों से अतिरिक्त कोई दो मन्त्र लिखिये।
4. 'सर्वं ह्यतद् ब्रह्मायमात्मा ब्रह्म सोऽयमात्मा चतुष्पात' की सुस्पष्ट व्याख्या कीजिए।
5. निरुक्त के अनुसार 'आचार्य' शब्द का निर्वचन करते हुए प्रकृति स्पष्ट कीजिये।
6. 'षड्भावविकार' की व्याख्या कीजिये।

खण्डः ग
(अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः)

निर्देशः 'ग' खण्डे दशातिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रदत्ताः सन्ति। प्रत्येकप्रश्नाय अर्द्धाङ्कः निर्धारितः वर्तते। अस्मिन् खण्डे प्रदत्तानां सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तरणमनिवार्यमस्ति । **(10×0.5=05)**

1. निम्नलिखित नामों में से ये उपनिषदों के व्याख्याकार हैं .....
   (अ) डॉ. सत्यव्रत शास्त्री (ब) पं. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार
   (स) डॉ. रामनाथ वेदालंकार (द) डॉ. हरिनारायण दीक्षित
2. निम्नलिखित विद्वान् का सम्बन्ध उपनिषद् साहित्य से है .....
   (अ) अकबर (ब) बाबर
   (स) दारा शिकोह (द) महाराणा प्रताप
3. माण्डूक्योपनिषद् में कितने खंड हैं ?
   (अ) दस (ब) ग्यारह
   (स) बारह (द) तेरह
4. 'यस्यामतं तस्य मतं, मतं यस्य न वेद सः' यह कथन किस उपनिषद् का है ?
   (अ) ईशावास्योपनिषद् (ब) केनोपनिषद्
   (स) प्रश्नोपनिषद् (द) कठोपनिषद्
5. यम और नचिकेता का वर्णन किस उपनिषद् में प्राप्त होता है ?
   (अ) छान्दोग्योपनिषद् (ब) बृहदारण्यकोपनिषद्
   (स) केनोपनिषद् (द) कठोपनिषद्
6. वेदाङ्ग साहित्य में इस का परिगणन नहीं किया जाता है .....
   (अ) व्याकरण (ब) साहित्य
   (स) निरुक्त (द) ज्योतिष्
7. निरुक्त में भाव विकार कितने माने जाते हैं ?
   (अ) चार (ब) पांच
   (स) छैः (द) सात
8. व्युत्पत्तिशास्त्र (Etymology) का आदि ग्रन्थ है .....
   (अ) ऋग्वेद (ब) व्याकरण
   (स) निरुक्त (द) कादम्बरी
9. 'तत्र नामानि – आख्यातजानि' यह पंक्ति किस आचार्य के सम्बन्ध में उद्धृत है ?
   (अ) पतंजलि (ब) पाणिनि
   (स) कात्यायन (द) शाकटायन
10. ये निरुक्त के टीकाकार नहीं हैं .....
   (अ) दुर्गाचार्य (ब) स्कन्द महेश्वर
   (स) वररुचि (द) आचार्य सायण

----------x----------